VFS

Varta

संस्करण I | एफवाई 19-20 | village.net.in

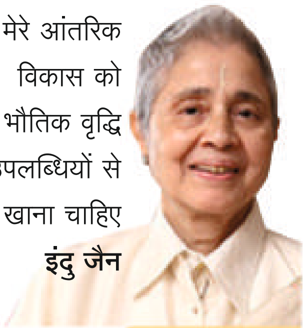

मेरे आंतरिक
विकास को
मेरी भौतिक वृद्धि
और उपलब्धियों से
मेल खाना चाहिए
इंदु जैन

पर्यावरण
एक गंभीर चिन्ता

प्रिय पाठक,

चुनावी मौसम खत्म हो गया। सरकार ने अपना काम करना शुरु कर दिया है। बहुत सारे घरेलू और बैद्धिक आर्थिक मुद्दों का हल करना बाकी है। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में भारत अपनी अधिकतर समस्याओं का समाधान कर लेगा।

बहरहाल, कुछ ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर आम तौर से ध्यान केन्द्रित करना बहुत ही जरूरी है। आप सभी इससे अवगत हैं कि इस साल भारत पानी की गंभीर किल्लत से गुजर रहा है। भूजल स्रोतों का अनावश्यक दोहन ने ऐसी स्थिति पैदा कर दिया है कि अगले साल से देश के 21 शहरों को बाहर से पानी मंगवाना पड़ सकता है।

वीएफएस ने पर्यावरण की बचाव को अपनी पहली प्रधमिकताओं में शुमार कर लिया है। हम लोगों ने हमेशा अपने ऋण लेने वालों को पौधारोपण और जलाशयों के संरक्षण आदि के लिए प्रोत्साहित किया है। इस साल हरियाली बढ़ाने के लिए हम ने पौधारोपण अभियान शुरु किया है।

इसके अलावा हम वृद्धा अवस्था जैसे दूसरे सामाजिक मुद्दों को ले कर चिन्तित हैं। हमारा सामाजिक संस्था विलेज वेलफेयर सोसाइटी लायंस क्लब और थाण्डुलाल मनोरमा फाउंडेशन के सहयोग से आनंदम वृद्धा आश्रम खोला है, जिसमें 60 बेड हैं।

मुझे विश्वास है कि हमारा मिलाजुला प्रयास भारत को विश्व का सबसे महान और मजबूत राष्ट्र बनाएगा।

डॉ. कुलदीप मायती
प्रबंधन निदेशक व सी ई औ

हरियाली को बढ़ावा देने के लिए **वीएफएस** इस मानसून में अपने ऋण लेने वालों में **पौधे** वितरण करेगा।

अनंदम

विलेज वेलफेयर सोसाइटी वीएफएस का सामाजिक संस्था है। इसने पश्चिम बंगाल के पंचारुल में गरीब महिलाओं के लिए बृद्धाश्रम, आनंदम की स्थापना की है। यह हमारे चेयरमैन अजीत कुमार मायती का ड्रीम प्रोजेक्ट है और लायंस क्लब और थांडुलाल मनोरमा फाउंडेशन के सहयोग से इसकी स्थापना की गई है। इसमें रहने वालों को मुफ्त में भोजन, कपड़ा ओर चिकित्सा सेवा मुहैया कराया जाता है।

औध्योगिक समाचार

आधार से खुलेगा तत्काल बैंक खाता

यदि आप आधार–आधारित ई केवाईसी का उपयोग करने के इच्छुक हैं, तो आप तुरंत एक बैंक खाता खोल सकेंगे। ग्राहक की सहमति पर आधार के उपयोग को सक्षम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 29 मई को अपने नियम में संशोधन किया है।

आरबीआई के गाइडलाइनस में बदलाव सरकार द्वारा मनी–लॉन्ड्रिंग रोकथाम नियमों (पीएमएलए), आधार और अन्य कानुन (संशोधन) अध्यादेश 2019 में किए गए बदलाव के अनुरूप है।

AADHAAR

एनबीएफसी क्षेत्र की तरलता की कमी को पूरा करने में मदद करने के लिए आरबीआई ने 31 दिसंबर तक एनबीएफसी ऋण प्रतिभूतिकरण के लिए नियमों में दिया ढील

एनबीएफसी क्षेत्र की तरलता की कमी को पूरा करने में मदद करने के लिए आरबीआई ने एनबीएफसी के लिए ऋण प्रतिभूतिकरण के माध्यम में फंड उगाही के लिए न्यूनतम होल्डिंग अवधि की आवश्यकता को बढ़ाया है। एनबीएफसी ने अपने खाते में छह महीने तक रखने के बाद पांच साल की परिपक्वता अबधि के ऋण को सुरक्षित करने की अनुमति दी है।

एनईएफटी और आरटीजीएस के भुगतान पर शुल्क नहीं

डिजिटल लेन–देन को प्रोत्साहित करने के लिए आरबीआई ने एनईएफटी और आरटीजीएस के जरिए भुगतान पर से शुल्क हटा दिया है। इसकी घोषणा विकास और नियामक नीतियों के संबंध में जारी बयान में की गई है, जिसे केन्द्रीय बैंक ने जून महीने में मोनीटरी नीति की समीक्षा रिपोर्ट के हिस्सा के रूप में जारी किया।

एमएफआईएन अपडेट

- एनबीएफसी–एमएफआईएस की ओर से 31 मार्च 2019 तक 3.17 करोड़ ग्राहकों के पास ऋण बकाया है, जिसमें वित्त वर्ष 2018-19 के चौथे तिमाही में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- वित्त वर्ष 2018-19 में 3.25 करोड़ खातों के जरिए 82,928 करोड़ रूपए का ऋण वितरित किया गया है।
- वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान प्रति खाता औसत वितरित ऋण राशि 25,543 रूपए थे, जो 2017-18 के दौरान वितरित ऋण की तुलना में करीब 13 प्रतिशत अधिक हैं।
- वित्त वर्ष 2018-19 में ऋण वित्तपोषण के रूप में एनबीएफसी–एमएफआईएस कुल 35,750 करोड़, जो 2017-18 से 63 प्रतिशत अधिक हैं। इसी अबधि के दौरान कुल इक्विटी 42 प्रतिशत बढ़ कर 14,206 करोड़ हुआ था।
- एमएफआईएस की उपस्थिति अभी देश के 33 राज्यों और केन्द्रीय शासित राज्यों में है।
- पोर्टफोलियो के क्षेत्रीय वितरण (जीएलपी) के संदर्भ में, पूर्व और उत्तर पूर्व खाते कुल एनबीएफसी–एमएफआई पोर्टफोलियो का 38 प्रतिशत हिस्सा है। इसी तरह दक्षिण में 24 प्रतिशत, उत्तर में 14 प्रतिशत, पश्चिम में 15 प्रतिशत और केन्द्रीय योगदान 9 प्रतिशत है।

*सुत्र: एमएफआईएन

बजट हाइलाइट

एनबीएफसी के लिए बड़ा अधिनियम
अपने प्रथम बजट प्रस्ताव में केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने 5 जुलाइ को एनबीएफसी क्षेत्र के लिए बहुत ही अधिनियम और बिजनेस के सरलीकरन का प्रस्ताव पेश किया। इसके कुछ अंश

• खतपत की मांग को बनाए रखने के साथ ही लघु और मझौले क्षेत्र के उद्योग के लिए पूंजी निर्माण में एनबीएफसी महत्वपूर्ण भूमिका मिभाती है।

एनबीएफसी, जिसकी मौलिकता बैंकों और म्यूचूअल फंड से बिना किसी जोखिम के फंड प्राप्त करना जारी रखना चाहिए।

• चालू वित्तीय वर्ष के दौरान एक लाख करोड़ रुपए की धनराशि के साथ आर्थिक तौर से मजबूत एनबीएफसी की अधिक दर की जमा की गई संपनियों की खरीद के लिए सरकार सार्वजनीक क्षेत्र के बैंक को 10 प्रतिशत तक के पहले नुकसान के लिए एक बार छह महीने की आंशिक केडिट गारंटी प्रदान करेगी।

• आरबीआई एनबीएफसी का नियामक है। हालांकि, आरबीअई के पास एनबीएफसी के संबंध में नियामक प्राधिकरण सीमित है। एनबीएफसी को ले कर आरबीआई के मियामक प्राधिकरण को मजबूत करने के लिए उचित प्रस्ताव वित्त विधैयक में रखे जा रहे हैं।

• नियमत के बढ़े हूए स्तरों के साथ एनबीएफसी कर उपचार और अनुसूचित बैंक में अधिक समता प्रदान करने की आवश्यकता है। वर्तमान में, शेड्यूल्ड बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा किए गए कुछ खराब या संदिग्ध ऋण के ब्याज पर वर्ष में कर की पेशकश करने की अनुमति है, जिसमें यह ब्याज वास्तव में प्रास होता है। मैं इस सुविधा को जमा लेने वाली एबीएफसी के साथ–साथ व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण जमा नही लेने वाली जमा एनबीएफसी को भी देने का प्रस्ताव करता हूं।

वीएफएस एक नजर में

वीएफएस में प्रशिक्षण जीवन का एक हिस्सा

आज की दुनिया में परिवर्तन एक मात्र स्थिर है। शेष अपडेट या पहले से उन्नत करना अपने आस-पास के कारोबार और वित्तीय वातावरण में लागातार परिवर्तन के साथ तालमेल रखना एक मात्र रास्ता है। इस बात को ध्यान में रख कर वीएफएस अपने कर्मियों के प्रशिक्षण और दोबारा प्रशिक्षण करने पर अधिक जोर देता है।

इसके लिए पश्चिम बंगाल के कोलकाता और सिलीगुड़ी, त्रिपुरा के अगरतल्ला और छत्तीसगढ़ के रायपुर में कंपनी के चार समर्पित प्रशिक्षण केन्द्र हैं।

प्रत्येक नए कर्मियों के अभ्यास काल (प्रोबेशन) के दौरान तीन चरणों में 45 से अधिक दिनों का प्रशिक्षण दिया जाता है। कक्षा और शाखा में काम करने के प्रशिक्षण लेने के दौरान उनकी उपलब्धियों का मूल्यांकन किया जाता है।

एक बार वीएफएस का कर्मी होने का मतलब उसे साल में दो बार ताजातरीन प्रशिक्षण लेना है। फिल्ड में काम करने वाले कर्मियों को दो महीने में एक बार आयोजित होने वाले ग्रूमिंग सेशन में शामिल होना अनिवार्य है, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाता है कि ग्राहकों के समक्ष उनका प्रस्तुतीकरण बांछित मानक है।

वीएफएस सिर्फ बिजनेस की बात नहीं करता, बल्कि अपनी नीतियों के तहत हम अपने कर्मियों को आगे बढ़ने, कार्य कुशलता बढ़ाने और बेहतर शैक्षिक डिग्री हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करते है।

तुलनात्मक ग्राफ (Q1 18-19 & 19-20)

शाखाओं की संख्या

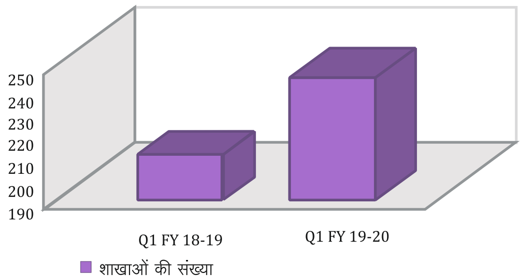

कर्मियों की संख्या

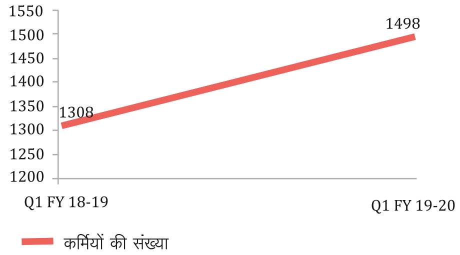

ऋण लेने वालों की संख्या (लाख)

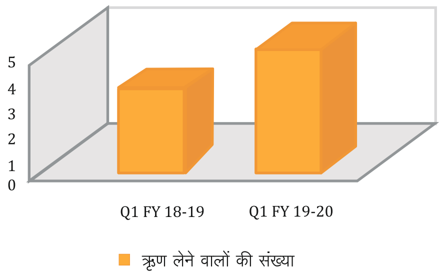

ऋण वितरण की संख्या (लाख)

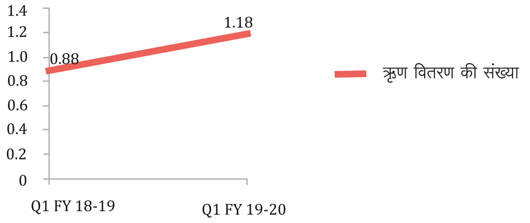

वितरित राशि (करोड़)

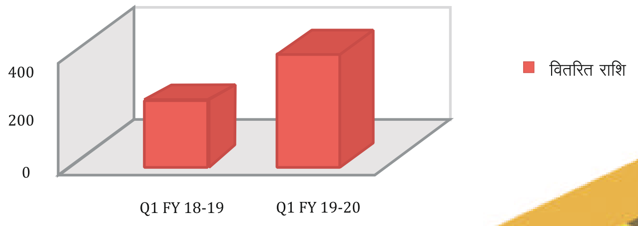

वार्षिक बिजनेस

पांच सालों में हमारे कारोबार में नौ गुणा वृद्धि हुई है। हां हम मजबूती और गति के साथ वृद्धि कर रहे हैं और नीचे दिए गए आंकड़ो के विवरण हमारी यात्रा को दर्शाता है।

वर्ष	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
ऋण संख्या	117,745	194,665	254,370	375,548	454,613
वितरित राशि	155.13	321.27	590.04	938.87	1,395.33

वीएफएस शक्ति

पश्चिम बंगाल के पूर्व मिदनापुर स्थित नलकुडी की रहने वाली **गुलशन बीबी** तीन बच्चों की अनपढ़ माता है और इन दिनों वे वीएफएस के सौजन्य से मछड़दानी विक्रेता है। अपना कारोबार फैलाने के लिए उन्होंने पिछले साल तीसरी बार 40,000 रुपये का ऋण लिया था।

शोभारानी सरकार त्रिपुरा के उत्तर त्रिपुरा जिले के पदमपुर की रहने वाली हैं। वे पुतला बनाने के अपने कला कौशल को अपने जीवन यापन का जरिया बनाना चाहती थीं। पिछले साल उन्होंने वीएफएस से 25,000 रूपए ऋण लिया और इन दिनों उनका समूचा परिवार इस कारोबार से जुड़ गया है।

शमिमा बैगम (45) बिहार के किशनगंज जिला के बहादुरगंज स्थित बसिया गुहैल की रहने वाली है। वह हल्दी की खेती और उसका प्रसंस्करण का काम करती थी। अपने कारोबार के लिए अभी वीएफएस से दूसरी बार 45,000 रुपये का ऋण ली हैं।

रेणु रावत (36) बर्दमान जिले के लक्ष्मी माठ की रहने वाली हैं और वे लड्डु बनाने का कारोबार करती हैं। वीएफएस की पुरानी ग्राहक रेणु अभी चौथी बार 50,000 रूपए का ऋण ली हैं।

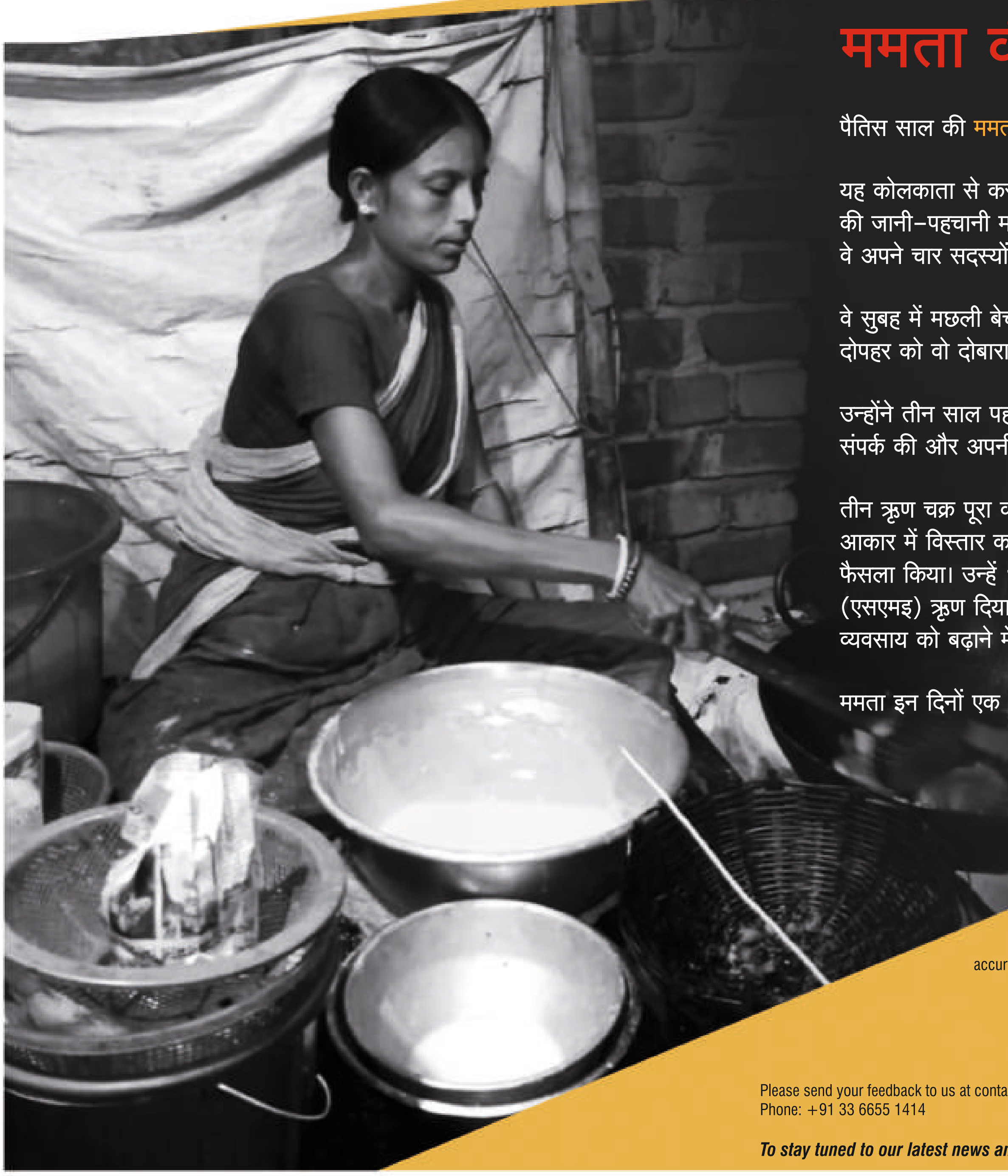

ममता की रसोई

पैतिस साल की ममता मालिक के लिए समय ही पैसा है।

यह कोलकाता से करीब 10 किली मीटर दूर हावड़ा के सलप बाजार की जानी-पहचानी महिला हैं। वे दो कारोबार करती हैं और अभी भी वे अपने चार सदस्यों वाले परिवार के लिए समय निकाल लेती हैं।

वे सुबह में मछली बेचती हैं। इसके बाद थोड़ी देर विश्राम के बाद दोपहर को वो दोबारा बाजार में फास्ट फूड के डिब्बे ले कर जाती हैं।

उन्होंने तीन साल पहले 20,000 रुपए ऋण के लिए वीएफएस से संपर्क की और अपनी प्रतिबद्धता से हमारा दिल जीत लिया।

तीन ऋण चक्र पूरा करने के बाद वीएफएस ने कारोबार को बड़े आकार में विस्तार करने के उनका सपना पूरा करने में मदद करने का फैसला किया। उन्हें 1,00,000 रूपए का लघु व मझौले उद्योग (एसएमइ) ऋण दिया। ऋण विशेष रूप से पूंजी-सघन मछली व्यवसाय को बढ़ाने में उपयोगी रहा है।

ममता इन दिनों एक खुश मां और सफल व्यवसायी हैं।

Disclaimer:
This document is issued by Village Financial Services Ltd. The information contained herein is derived from various public documents we believe to be reliable, but the content is not verified. VFS makes no guarantee as to the accuracy of these information and is not responsible for errors of factual or analytical data. We will not be liable in respect of any special, indirect or consequential loss or damage. The opinions in this document constitute our personal judgement. This material is strictly for private circulation and is not meant for public distribution.

Please send your feedback to us at contact@village.net.in
Phone: +91 33 6655 1414

Follow us on: VillageFinancialServices
VFSPL

To stay tuned to our latest news and updates, please follow our upcoming release...